बिहार विधान सभा वादवृत्त।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में शुक्रवार, तिथि २० मार्च, १९५३ को पूर्वाह्न ११ बजे में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

Short notice Questions and Answers.

विचाराधीन कैदी को द्वितीय श्रेणी की सुविधा से वंचित किया जाना।

८२। श्री वशिष्ठ नारायण सिंह—क्या मंत्री, जेल विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि ग्राम शेदुका, थाना वारिसनगर के रहने वाले श्री राम शरण ठाकुर विचाराधीन कैदी को जो दरभंगा जिला जेल में थे जिला मजिस्ट्रेट, दरभंगा ने अपने पत्र संख्या १०३९५, ता० १९ दिसम्बर, १९५२ के द्वारा जेल अधिकारी को 'बी' डिवीजन में रखने का आदेश दिया था, जो दरभंगा जिला जेल के अधिकारी को २० दिसम्बर, १९५२ को प्राप्त हुआ;

(ख) अगर खंड (क) का उत्तर स्वीकारात्मक हो, तो श्री रामशरण ठाकुर को २२ दिसम्बर, १९५२ तक जेल में इसकी सूचना क्यों नहीं दी गई, तथा 'बी' डिवीजन के कैदी की सुविधा से उन्हें वंचित क्यों रखा गया;

(ग) क्या यह बात सही है कि २२ दिसम्बर, १९५२ तक उक्त कैदी ने सुविधा नहीं मिलने पर जिलाधीश को पत्र लिखा;

(घ) क्या यह बात सही है कि उक्त कैदी के सम्बन्ध में वशिष्ठ नारायण सिंह ने चीफ सेक्रेटरी, जेल विभाग के आई० जी० तथा दरभंगा के जिलाधीश के पास पत्र लिखा था;

(ङ) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हों, तो इस पर सरकार क्या करना चाहती है?

श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल—(क) इसका जवाब दे दिया गया है।

(ख) जवाब दे दिया गया।

(ग) पहले जवाब दे दिया गया था कि ऐनस्वर इज इन दि नेगेटिभ और अभी भी वही जवाब है।

(घ) जवाब दे दिया गया है।

Shri Basisth Narain Singh sent a petition on 23rd December 1952 to the I. G., Prisons, Bihar, forwarding a copy of the same to the Chief Secretary.

मगर कैदी की कोई दर्खास्त जिलाधीश के पास नहीं है। लेकिन श्री वशिष्ठ नारायण सिंह की चिट्ठी चीफ सेक्रेटरी और आई० जी०, प्रिजन्स को दी गई थी और उसकी एक कापी २३ दिसम्बर, १९५२ को जिलाधीश को मिली थी। मगर २२ दिसम्बर, १९५२ को उनको डिवीजन दे दिया गया था।

श्री वशिष्ठ नारायण सिंह—२२ ता० के किस समय डिवीजन दिया गया था?

श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल—२२ तारीख की शाम को।

तारांकित प्रश्नोत्तर।

Starred Questions and Answers.

CHANAN BELASI SCHEME.

*1101. **Shri SITAL PRASAD BHAGAT :** Will the Minister for Irrigation be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that the estimate of Chanan Belasi Scheme in Amarpur P,-S. has been prepared ;

(*b*) the estimate amount of the said scheme ;

(*c*) will Government be pleased to state when the said scheme is going to be executed ?

Shri RAMCHARITRA SINHA : (*a*) Preparation of the Chanan Belasi Scheme is nearing completion in the office of the Executive Engineer, Bhagalpur Waterways Division.

(*b*) Estimated amount of the Scheme will be Rs. 12 lakhs approximately.

(*c*) Nothing can be said on this point definitely until the scheme is received and technically examined.

Shri RAM CHARITRA SINHA : I am sorry to say that answer to question nos. 1102 to 1108 are not ready and I would inform the Chair that I have received information from the Deputy Secretary that 11 starred questions have been received yesterday, *i. e.* 19th March and the answers are due today, *i. e.* 20th March.

अध्यक्ष—दूसरे दिन के लिये रक्खा जाय।

Shri RAMCHARITRA SINHA : Sir, I would like to say that sufficient time atleast 5 or 6 days should be given for answers to starred questions.

SPEAKER : We are taking necessary step.

पुनपुन नदी की बाढ़ से किसानों को क्षति।

*११०९। श्री पदारथ सिंह—क्या मंत्री, सिंचाई विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि दाउदनगर सबडिवीजन की दुधैला नहर से जो खराटी उप-नहर निकलती है वह प्रायः पुनपुन नदी के किनारे होकर महुआव ग्राम तक गयी है ;

(ख) क्या यह बात सही है कि बरसात के दिनों में पुनपुन नदी में जब बाढ़ आ जाती है, तो महुआव ग्राम के उत्तर-पूरब के इलाकों में बाढ़ से अधिक क्षति पहुँचती है ;

(ग) यदि उपर्युक्त खंड (क) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार क्या उचित कार्रवाई करने जा रही है, जिससे उस इलाके में किसानों तथा अन्यान्य लोगों को क्षति न पहुँचे ?

श्री रामचरित्र सिंह—(क) यहां एक मनोरा नाम का उप-नहर है जिसको इस प्रश्न में खरांटी उप-नहर कहा गया है। यह पूर्वी बड़ी नहर दुवैया नहर से निकल कर करीब ८ मील तक पुनपुन नदी के समानान्तर बहती हुई महुआंव ग्राम में जा कर अन्त हो गई ह।

(ख) पुनपुन नदी की बाढ़ से केवल खरांटी ग्राम को क्षति होने की आशंका रहती है, परन्तु इसे बाढ़ से बचाने के लिये खरांटी बांध नामक एक बड़ा बांध है जिसका हमेशा देखभाल किया जाता है। महुआंव ग्राम के उत्तर-पूरब में उप-नहर और नदी के बीच काफी दूरी है। इसके अतिरिक्त महुआंव ग्राम के उत्तर-पूर्वी भाग को इस उप-नहर तथा पुनपुन नदी के बाढ़ से क्षति होने की अभी तक कोई भी शिकायत नहीं हुई है।

(ग) उपरोक्त उत्तरों को ध्यान में रखते हुए यह प्रश्न नहीं उठता है।

कमला नदी की बाढ़ से फसल की बर्बादी।

*१११०। श्री राम कृष्ण महतो—क्या मंत्री, सिंचाई विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिलान्तर्गत मधुबनी थाने की कमला नदी में बाढ़ की अधिकता रहती है;

(ख) बाढ़ के फलस्वरूप इस थाने की फसल प्रतिवर्ष बर्बाद हो जाती है, जिससे किसानों की हालत दिन-प्रति-दिन गिरती जा रही ह;

(ग) यदि खंड (क) और (ख) के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कमला नदी पर नियंत्रण करने के लिए कौन-सी कार्रवाई करने का विचार करती ह, यदि नहीं, तो क्यों?

श्री रामचरित्र सिंह—(क) और (ख) उत्तर 'हां' है।

(ग) कमला नदी को फिर से खुदाई करने की एक योजना है। इस योजना के अन्तर्गत कुछ काम किया जा चुका है। कमला बाढ़-पीड़ित क्षेत्र को बाढ़ से मुक्त करने के लिये ३ योजनाएं हैं, एक में तो काम हो रहा है, दूसरी योजना बन चुकी है और सरकार के विचाराधीन है, तीसरी की जांच हो रही है।

मीरगंज सर्किल में नल-कूप बैठाने की व्यवस्था।

*१११११। श्री जनार्दन सिंह—क्या मंत्री, सिंचाई विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) सारन जिलान्तर्गत मीरगंज सर्किल में प्रथम वर्ष कितने नलकूप और किन-किन गांवों में बठाये जायेंगे;

(ख) इस काम को इतनी मन्द गति से चलाने का क्या कारण है तथा मीरगंज सर्किल के पूर क्षेत्र की नलकूप द्वारा सिंचाई कब से होने लगेगी?

श्री रामचरित्र सिंह—बिहार में ३०० नलकूप योजना के अन्तर्गत मीरगंज के चीनी फैक्ट्री के क्षेत्र में १८ नलकूप खोलने की स्वीकृति हुई है। इसकी तालिका पुस्तकालय के मेज पर रखी हुई है। ३०० नलकूप योजना १९५३-५४ में समाप्त होगी। अभी सारन जिला में काम आरम्भ होगा १९५३-५४ से। मीरगंज क्षेत्र में सिंचाई का प्रबन्ध किया जा रहा है।